ब्रह्मा द्वारा तण्डिमुनि को उपदिष्ट शिवसहस्रनामस्तोत्र[1]

शिवपूजा में सहस्रनाम स्तोत्र का बड़ा महत्त्व है। लिंगार्चन के पश्चात् इसका पाठ किया जाता है। शैव-व्रतों के अन्त में इसके पाठ-पूर्वक अर्घ्य आदि निवेदन किया जाता है। उदाहरण के लिये शिवरात्रिव्रत, श्रावण मास का व्रत तथा सोमवारव्रत आदि में इसके पाठ का बहुत महत्त्व बताया गया है। इतिहास एवं पुराणों में अनेक प्रकार के सहस्रनामस्तोत्र पाये जाते हैं। सभी प्रकार के सहस्रनामस्तोत्रों की काफी महिमा बतलायी गयी है। सहस्रनामस्तोत्रों का पाठ करनेवालों में श्रीकृष्ण, भगवान् विष्णु, भगवान् राम आदि अवतारी पुरुष शामिल हैं। इनके अतिरिक्त अनेक ऋषि-मुनियों, संत-महात्माओं तथा दक्ष, वेन आदि पौराणिक पुरुषों ने किया है। इस पुस्तक के पहले भाग[2] में हमने तण्डिमुनिकृत शिवसहस्रनामस्तोत्र की महिमा को देखा है। हम यहाँ पर तण्डिमुनि को ब्रह्मा द्वारा उपदष्टि शिवसहस्रनाम को आम लोगों के लिये उपयोगी बनाकर प्रस्तुत करेंगे। क्योंकि मूल सहस्रनामस्तोत्र का प्रयोग करने में आम लोगों को कठिनाई हो सकती हैं। अत: स्तोत्र के 1008 नामों को अलग-अलग करके विनियोग वाक्य के साथ प्रस्तुत किया जायगा। तथा यह भी बताया जायगा कि किस प्रकार व्रतों के अन्त में सहस्रनाम पढ़कर अर्घ्य प्रदान करें। यह सहस्रनाम वेंकटेश्वरप्रेस बम्बई द्वारा प्रकाशित किया गया था। परन्तु उनमें कुछ अशुद्धियाँ थी। यहाँ पर उन अशुद्धियों को दूर करके लिखा जा रहा है।

स्तोत्र से 1008 नामों के चयन में कठिनाई यह होती है कि किन शब्दों को विशेषण और किन्हें नाम माने। पिछले सहस्रनामस्तोत्र के सन्दर्भ में जिन कठिनाईयों का उल्लेख किया गया था वे कठिनाइयाँ यहाँ भी हैं। अत: नामों की सूची में कहीं-कहीं अन्तर आ सकता है। परन्तु पाठक को इन अन्तरों से दुविधा में पड़ने की आवश्यकता नहीं है। भगवान् के सभी नाम समान रूप से शक्तिमान् हैं। उनके अन्दर भेद करना नामापराध गिना जाता है। अत: श्रद्धा-विश्वास के साथ व्यक्ति को उपलब्ध सहस्रनामों का पाठ करना चाहिये।

निम्नलिखित सहस्रनाम का उपदेश अगस्त्यजी ने श्रीराम को वनवास के दौरान दिया था।[3] फलस्वरूप भगवान् राम ने इसके जप से भगवान् शिव को प्रसन्न कर उनसे अनेक वर प्राप्त किया। इसी प्रकार उपमन्यु से श्रीकृष्ण ने इस सहस्रनाम का उपदेश प्राप्त कर भगवान् शिव को प्रसन्न कर अनेक वर प्राप्त किये।[4]

---

1. यह सहस्रनामस्तोत्र किंचित् भेद के साथ लिंगपुराण(पूर्वार्द्ध/65/54-168) में भी पाया जाता है। वर्तमान सहस्रनाम गीताप्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित सटीक महाभारत के अनुशासनपर्व(अध्याय 17, श्लोक 31-153) पर आधारित है।
2. इसके लिये पृ. 730 एवं उससे आगे देखें।
3. देखें शिवगीता (3/32 तथा 4/2-4) अथवा इस पुस्तक का प्रथम भाग पृ. 663।
4. देखें इस पुस्तक का प्रथम भाग पृ. 705-733 अथवा महाभारत, अनुशासनपर्व (अध्याय 14-18)।

श्रीशिवसहस्रनामावलिः

श्रीगणेशाय नमः।

ॐ अस्य श्रीसदाशिवसहस्रनामस्तोत्रमंत्रस्य नारायण ऋषिः, श्रीसदाशिवो देवता, अनुष्टुप्छंदः, सदाशिवो बीजम्, गौरी शक्तिः, श्रीसदाशिवप्रीत्यर्थं तद्दिव्यसहस्रनामभिः अमुकद्रव्यसमर्पणे[1] विनियोगः।।

1 स्थिराय नमः
2 स्थाणवे नमः
3 प्रभवे नमः
4 भीमाय नमः
5 प्रवराय नमः
6 वरदाय नमः
7 वराय नमः
8 सर्वात्मने नमः
9 सर्वविख्याताय नमः
10 सर्वस्मै नमः
11 सर्वकराय नमः
12 भवाय नमः
13 जटिने नमः
14 चर्मिणे नमः
15 शिखण्डिने नमः
16 सर्वांगाय नमः
17 सर्वभावनाय नमः
18 हराय नमः
19 हरिणाक्षाय नमः
20 सर्वभूतहराय नमः
21 प्रभवे नमः
22 प्रवृत्तये नमः
23 निवृत्तये नमः
24 नियताय नमः
25 शाश्वताय नमः
26 ध्रुवाय नमः
27 श्मशानवासिने नमः
28 भगवते नमः
29 खचराय नमः
30 गोचराय नमः
31 अर्दनाय नमः
32 अभिवाद्याय नमः
33 महाकर्मणे नमः
34 तपस्विने नमः
35 भूतभावनाय नमः
36 उन्मत्तवेषप्रच्छन्नाय नमः
37 सर्वलोकप्रजापतये नमः
38 महारूपाय नमः
39 महाकायाय नमः
40 वृषरूपाय नमः
41 महायशसे नमः
42 महात्मने नमः
43 सर्वभूतात्मने नमः
44 विश्वरूपाय नमः
45 महाहनवे नमः
46 लोकपालाय नमः
47 अंतर्हितात्मने नमः
48 प्रसादाय नमः
49 हयगर्दभाय नमः
50 पवित्राय नमः
51 महते नमः
52 नियमाय नमः
53 नियमाश्रिताय नमः
54 सर्वकर्मणे नमः
55 स्वयंभूताय नमः
56 आदये नमः
57 आदिकराय नमः
58 निधये नमः
59 सहस्राक्षाय नमः
60 विशालाक्षाय नमः
61 सोमाय नमः
62 नक्षत्रसाधकाय नमः
63 चंद्राय नमः
64 सूर्याय नमः
65 शनये नमः
66 केतवे नमः

1. '**अमुकद्रव्य समर्पणे**' की जगह जो द्रव्य समर्पित करना हो उसका नाम बोलना चाहिये। अगर अर्घ्य देना हो तो '**अर्घ्यसमर्पणे**' कहना चाहिये।

67 ग्रहाय नमः
68 ग्रहपतिवराय नमः
69 अत्रये नमः
70 अत्र्या नमस्कर्त्रे नमः
71 मृगबाणार्पणाय नमः
72 अनघाय नमः
73 महातपसे नमः
74 घोरतपसे नमः
75 अदीनाय नमः
76 दीनसाधकाय नमः
77 संवत्सरकराय नमः
78 मंत्राय नमः
79 प्रमाणाय नमः
80 परमतपसे नमः
81 योगिने नमः
82 योज्याय नमः
83 महाबीजाय नमः
84 महारेतसे नमः
85 महाबलाय नमः
86 सुवर्णरेतसे नमः
87 सर्वज्ञाय नमः
88 सुबीजाय नमः
99 बीजवाहनाय नमः
90 दशबाहवे नमः
91 अनिमिषाय नमः
92 नीलकण्ठाय नमः
93 उमापतये नमः
94 विश्वरूपाय नमः
95 स्वयंश्रेष्ठाय नमः
96 बलवीराय नमः
97 अबलाय नमः
98 गणाय नमः
99 गणकर्त्रे नमः
100 गणपतये नमः
101 दिग्वाससे नमः
102 कामाय नमः
103 मंत्रविदे नमः
104 परममंत्राय नमः
105 सर्वभावकराय नमः
106 हराय नमः
107 कमंडलुधराय नमः
108 धन्विने नमः
109 बाणहस्ताय नमः
110 कपालवते नमः
111 अशनये नमः
112 शतघ्निने नमः
113 खड्गिने नमः
114 पट्टिशिने नमः
115 आयुधिने नमः
116 महते नमः
117 स्त्रुवहस्ताय नमः
118 सुरूपाय नमः
119 तेजसे नमः
120 तेजस्करनिधये नमः
121 उष्णीषिणे नमः
122 सुवक्त्राय नमः
123 उदग्राय नमः
124 विनताय नमः
125 दीर्घाय नमः
126 हरिकेशाय नमः
127 सुतीर्थाय नमः
128 कृष्णाय नमः
129 शृगालरूपाय नमः
130 सिद्धार्थाय नमः
131 मुंडाय नमः
132 सर्वशुभंकराय नमः
133 अजाय नमः
134 बहुरूपाय नमः
135 गंधधारिणे नमः
136 कपर्दिने नमः
137 ऊर्ध्वरेतसे नमः
138 ऊर्ध्वलिंगाय नमः
139 ऊर्ध्वशायिने नमः
140 नभःस्थलाय नमः
141 त्रिजटिने नमः
142 चीरवाससे नमः
143 रुद्राय नमः
144 सेनापतये नमः
145 विभवे नमः
146 अहश्चराय नमः
147 नक्तंचराय नमः
148 तिग्ममन्यवे नमः
149 सुवर्चसे नमः
150 गजघ्ने नमः
151 दैत्यघ्ने नमः
152 कालाय नमः
153 लोकधात्रे नमः
154 गुणाकराय नमः
155 सिंहशार्दूलरूपाय नमः
156 आर्द्रचर्माबरावृताय नमः

157 कालयोगिने नमः
158 महानादाय नमः
159 सर्वकामाय नमः
160 चतुष्पथाय नमः
161 निशाचराय नमः
162 प्रेतचारिणे नमः
163 भूतचारिणे नमः
164 महेश्वराय नमः
165 बहुभूताय नमः
166 बहुधराय नमः
167 स्वर्भानवे नमः
168 अमिताय नमः
169 गतये नमः
170 नृत्यप्रियाय नमः
171 नित्यनर्ताय नमः
172 नर्तकाय नमः
173 सर्वलालसाय नमः
174 घोराय नमः
175 महातपसे नमः
176 पाशाय नमः
177 नित्याय नमः
178 गिरिरुहाय नमः
179 नभसे नमः
180 सहस्त्रहस्ताय नमः
181 विजयाय नमः
182 व्यवसायाय नमः
183 अतन्द्रिताय नमः
184 अधर्षणाय नमः
185 धर्षणात्मने नमः
186 यज्ञघ्ने नमः
187 कामनाशकाय नमः
188 दक्षयागापहारिणे नमः
189 सुसहाय नमः
190 मध्यमाय नमः
191 तेजोपहारिणे नमः
192 बलघ्ने नमः
193 मुदिताय नमः
194 अर्थाय नमः
195 अजिताय नमः
196 अवराय नमः
197 गंभीरघोषाय नमः
198 गंभीराय नमः
199 गंभीरबलवाहनाय नमः
200 न्यग्रोधरूपाय नमः
201 न्यग्रोधाय नमः
202 वृक्षकर्णस्थितये नमः
203 विभवे नमः
204 सुतीक्ष्णदशनाय नमः
205 महाकायाय नमः
206 महाननाय नमः
207 विष्वक्सेनाय नमः
208 हरये नमः
209 यज्ञाय नमः
210 संयुगापीडवाहनाय नमः
211 तीक्ष्णतापाय नमः
212 हर्यश्वाय नमः
213 सहायाय नमः
214 कर्मकालविदे नमः
215 विष्णुप्रसादिताय नमः
216 यज्ञाय नमः
217 समुद्राय नमः
218 वडवामुखाय नमः
219 हुताशनसहाय नमः
220 प्रशांतात्मने नमः
221 हुताशनाय नमः
222 उग्रतेजसे नमः
223 महातेजसे नमः
224 जन्याय नमः
225 विजयकालविदे नमः
226 ज्योतिषामयनाय नमः
227 सिद्धये नमः
228 सर्वविग्रहाय नमः
229 शिखिने नमः
230 मुण्डिने नमः
231 जटिने नमः
232 ज्वालिने नमः
233 मूर्तिजाय नमः
234 मूर्धगाय नमः
235 बलिने नमः
236 वेणविने नमः
237 पणविने नमः
238 तालिने नमः
239 खलिने नमः
240 कालकटंकटाय नमः
241 नक्षत्रविग्रहमतये नमः
242 गुणबुद्धये नमः
243 लयाय नमः
244 अगमाय नमः
245 प्रजापतये नमः
246 विश्वबाहवे नमः

247 विभागाय नमः
248 सर्वगाय नमः
249 अमुखाय नमः
250 विमोचनाय नमः
251 सुसरणाय नमः
252 हिरण्यकवचोद्भवाय नमः
253 मेढ्रजाय नमः
254 बलचारिणे नमः
255 महीचारिणे नमः
256 स्रुताय नमः
257 सर्वतूर्यनिनादिने नमः
258 सर्वातोद्यपरिग्रहाय नमः
259 व्यालरूपाय नमः
260 गुहावासिने नमः
261 गुहाय नमः
262 मालिने नमः
263 तरंगविदे नमः
264 त्रिदशाय नमः
265 त्रिकालधृशे नमः
266 कर्मसर्वबंधविमोचनाय नमः
267 असुरेंद्राणां बंधनाय नमः
268 युधिशत्रुविनाशनाय नमः
269 सांख्यप्रसादाय नमः
270 दुर्वाससे नमः
271 सर्वसाधुनिषेविताय नमः
272 प्रस्कंदनाय नमः
273 विभागज्ञाय नमः
274 अतुल्याय नमः
275 यज्ञविभागविदे नमः
276 सर्ववासाय नमः
277 सर्वचारिणे नमः
278 दुर्वाससे नमः
279 वासवाय नमः
280 अमराय नमः
281 हैमाय नमः
282 हेमकराय नमः
283 अयज्ञाय नमः
284 सर्वधारिणे नमः
285 धरोत्तमाय नमः
286 लोहिताक्षाय नमः
287 महाक्षाय नमः
288 विजयाक्षाय नमः
289 विशारदाय नमः
290 संग्रहाय नमः
291 निग्रहाय नमः
292 कर्त्रे नमः
293 सर्पचीरनिवासनाय नमः
294 मुख्याय नमः
295 अमुख्याय नमः
296 देहाय नमः
297 काहलये नमः
298 सर्वकामदाय नमः
299 सर्वकालप्रसादाय नमः
300 सुबलाय नमः
301 बलरूपधृशे नमः
302 सर्वकामवराय नमः
303 सर्वदाय नमः
304 सर्वतोमुखाय नमः
305 आकाशनिर्विरूपाय नमः
306 निपातिने नमः
307 अवशाय नमः
308 खगाय नमः
309 रौद्ररूपाय नमः
310 अंशवे नमः
311 आदित्याय नमः
312 बहुरश्मये नमः
313 सुवर्चसिने नमः
314 वसुवेगाय नमः
315 महावेगाय नमः
316 मनोवेगाय नमः
317 निशाचराय नमः
318 सर्ववासिने नमः
319 श्रियावासिने नमः
320 उपदेशकराय नमः
321 अकराय नमः
322 मुनये नमः
323 आत्मनिरालोकाय नमः
324 संभग्नाय नमः
325 सहस्रदाय नमः
325 पक्षिणे नमः
327 पक्षरूपाय नमः
328 अतिदीप्ताय नमः
329 विशांपतये नमः
330 उन्मादाय नमः
331 मदनाय नमः
332 कामाय नमः
333 अश्वत्थाय नमः
334 अर्थकराय नमः
335 यशसे नमः
336 वामदेवाय नमः

337 वामाय नमः
338 प्राचे नमः
339 दक्षिणाय नमः
340 वामनाय नमः
341 सिद्धयोगिने नमः
342 महर्षये नमः
343 सिद्धार्थाय नमः
344 सिद्धसाधकाय नमः
345 भिक्षवे नमः
346 भिक्षुरूपाय नमः
347 विपणाय नमः
348 मृदवे नमः
349 अव्ययाय नमः
350 महासेनाय नमः
351 विशाखाय नमः
352 षष्टिभागाय नमः
353 गवांपतये नमः
354 वज्रहस्ताय नमः
355 विष्कंभिने नमः
356 चमूस्तंभनाय नमः
357 वृत्तावृत्तकराय नमः
358 तालाय नमः
359 मधवे नमः
360 मधुकलोचनाय नमः
361 वाचस्पतये नमः
362 वाजसनाय नमः
363 नित्य आश्रमपूजिताय नमः
364 ब्रह्मचारिणे नमः
365 लोकचारिणे नमः
366 सर्वचारिणे नमः
367 विचारविदे नमः
368 ईशानाय नमः
369 ईश्वराय नमः
370 कालाय नमः
371 निशाचारिणे नमः
372 पिनाकवते नमः
373 निमित्तस्थाय नमः
374 निमित्ताय नमः
375 नंदये नमः
376 नंदिकराय नमः
377 हरये नमः
378 नंदीश्वराय नमः
379 नंदिने नमः
380 नंदनाय नमः
381 नंदिवर्धनाय नमः
382 भगहारिणे नमः
383 निहंत्रे नमः
384 कालाय नमः
385 ब्रह्मणे नमः
386 पितामहाय नमः
387 चतुर्मुखाय नमः
388 महालिंगाय नमः
389 चारुलिंगाय नमः
390 लिंगाध्यक्षाय नमः
391 सुराध्यक्षाय नमः
392 योगाध्यक्षाय नमः
393 युगावहाय नमः
394 बीजाध्यक्षाय नमः
395 बीजकर्त्रे नमः
396 अध्यात्मानुगताय नमः
397 बलाय नमः
398 इतिहासाय नमः
399 संकल्पाय नमः
400 गौतमाय नमः
401 निशाकराय नमः
402 दंभाय नमः
403 अदंभाय नमः
404 वैदंभाय नमः
405 वश्याय नमः
406 वशकराय नमः
407 कलये नमः
408 लोककर्त्रे नमः
409 पशुपतये नमः
410 महाकर्त्रे नमः
411 अनौषधाय नमः
412 अक्षराय नमः
413 परमब्रह्मणे नमः
414 बलवते नमः
415 शक्राय नमः
416 नीतये नमः
417 अनीतये नमः
418 शुद्धात्मने नमः
419 शुद्धाय नमः
420 मान्याय नमः
421 गतागताय नमः
422 बहुप्रसादाय नमः
423 सुस्वप्नाय नमः
424 दर्पणाय नमः
425 अमित्रजिते नमः
426 वेदकाराय नमः

427 मंत्रकाराय नमः
428 विदुषे नमः
429 समरमर्दनाय नमः
430 महामेघनिवासिने नमः
431 महाघोराय नमः
432 वशिने नमः
433 कराय नमः
434 अग्निज्वालाय नमः
435 महाज्वालाय नमः
436 अतिधूम्राय नमः
437 हुताय नमः
438 हविषे नमः
439 वृषणाय नमः
440 शंकराय नमः
441 नित्यंवर्चस्विने नमः
442 धूमकेतनाय नमः
443 नीलाय नमः
444 अंगलुब्धाय नमः
445 शोभनाय नमः
446 निरवग्रहाय नमः
447 स्वस्तिदाय नमः
448 स्वस्तिभावाय नमः
449 भागिने नमः
450 भागकराय नमः
451 लघवे नमः
452 उत्सङ्गाय नमः
453 महाङ्गाय नमः
454 महागर्भपरायणाय नमः
455 कृष्णवर्णाय नमः
456 सुवर्णाय नमः
457 सर्वदेहिनामिंद्रियाय नमः
458 महापादाय नमः
459 महाहस्ताय नमः
460 महाकायाय नमः
461 महायशसे नमः
462 महामूर्ध्ने नमः
463 महामात्राय नमः
464 महानेत्राय नमः
465 निशालयाय नमः
466 महांतकाय नमः
467 महाकर्णाय नमः
468 महोष्ठाय नमः
469 महाहनवे नमः
470 महानासाय नमः
471 महाकंबवे नमः
472 महाग्रीवाय नमः
473 श्मशानभाजे नमः
474 महावक्षसे नमः
475 महोरस्काय नमः
476 अंतरात्मने नमः
477 मृगालयाय नमः
478 लंबनाय नमः
479 लंबितोष्ठाय नमः
480 महामायाय नमः
481 पयोनिधये नमः
482 महादंताय नमः
483 महादंष्ट्राय नमः
484 महाजिह्वाय नमः
485 महामुखाय नमः
486 महानखाय नमः
487 महारोम्णे नमः
488 महाकोशाय नमः
489 महाजटाय नमः
490 प्रसन्नाय नमः
491 प्रसादाय नमः
492 प्रत्ययाय नमः
493 गिरिसाधनाय नमः
494 स्नेहनाय नमः
495 अस्नेहनाय नमः
496 अजिताय नमः
497 महामुनये नमः
498 वृक्षाकाराय नमः
499 वृक्षकेतवे नमः
500 अनलाय नमः
501 वायुवाहनाय नमः
502 गंडलिने नमः
503 मेरुधाम्ने नमः
504 देवाधिपतये नमः
505 अथर्वशीर्षाय नमः
506 सामास्याय नमः
507 ऋक्सहस्रामितेक्षणाय नमः
508 यजुःपादभुजाय नमः
509 गुह्याय नमः
510 प्रकाशाय नमः
511 जंगमाय नमः
512 अमोघार्थाय नमः
513 प्रसादाय नमः
514 अभिगम्याय नमः
515 सुदर्शनाय नमः
516 उपकाराय नमः

517 प्रियाय नमः
518 सर्वाय नमः
519 कनकाय नमः
520 कांचनच्छवये नमः
521 नाभये नमः
522 नंदिकराय नमः
523 भावाय नमः
524 पुष्करस्थपतये नमः
525 स्थिराय नमः
526 द्वादशाय नमः
527 त्रासनाय नमः
528 आद्याय नमः
529 यज्ञाय नमः
530 यज्ञसमाहिताय नमः
531 नक्ताय नमः
532 कलये नमः
533 कालाय नमः
534 मकराय नमः
535 कालपूजिताय नमः
536 सगणाय नमः
537 गणकाराय नमः
538 भूतवाहनसारथये नमः
539 भस्मशयाय नमः
540 भस्मगोप्त्रे नमः
541 भस्मभूताय नमः
542 तरवे नमः
543 गणाय नमः
544 लोकपालाय नमः
545 अलोकाय नमः
546 महात्मने नमः
547 सर्वपूजिताय नमः
548 शुक्लाय नमः
549 त्रिशुक्लाय नमः
550 संपन्नाय नमः
551 शुचये नमः
552 भूतनिषेविताय नमः
553 आश्रमस्थाय नमः
554 क्रियावस्थाय नमः
555 विश्वकर्ममतिवराय नमः
556 विशालशाखाय नमः
557 ताम्रोष्ठाय नमः
558 अंबुजालाय नमः
559 सुनिश्चलाय नमः
560 कपिलाय नमः
561 कपिशाय नमः
562 शुक्लाय नमः
563 आयुषे नमः
564 पराय नमः
565 अपराय नमः
566 गंधर्वाय नमः
567 अदितये नमः
568 तार्क्ष्याय नमः
569 सुविज्ञेयाय नमः
570 सुशारदाय नमः
57 परश्वधायुधाय नमः
572 देवाय नमः
573 अनुकारिणे नमः
574 सुबांधवाय नमः
575 तुंबवीणाय नमः
576 महाक्रोधाय नमः
577 ऊर्ध्वरेतसे नमः
578 जलेशयाय नमः
579 उग्राय नमः
580 वंशकराय नमः
581 वंशाय नमः
582 वंशनादाय नमः
583 अनिंदिताय नमः
584 सर्वांगरूपाय नमः
585 मायाविने नमः
586 सुहृदे नमः
587 अनिलाय नमः
588 अनलाय नमः
589 बंधनाय नमः
590 बंधकर्त्रे नमः
591 सुबंधनविमोचनाय नमः
592 सयज्ञारये नमः
593 सकामारये नमः
594 महादंष्ट्राय नमः
595 महायुधाय नमः
596 बहुधानिंदिताय नमः
597 शर्वाय नमः
598 शङ्कराय नमः
599 शंकराय नमः
600 अधनाय नमः
601 अमरेशाय नमः
602 महादेवाय नमः
603 विश्वदेवाय नमः
604 सुरारिघ्ने नमः
605 अहिर्बुध्न्याय नमः
606 अनिलाभाय नमः

607 चेकितानाय नमः
608 हविषे नमः
609 अजैकपादे नमः
610 कापालिने नमः
611 त्रिशंकवे नमः
612 अजिताय नमः
613 शिवाय नमः
614 धन्वंतरये नमः
615 धूमकेतवे नमः
616 स्कंदाय नमः
617 वैश्रवणाय नमः
618 धात्रे नमः
619 शक्राय नमः
620 विष्णवे नमः
621 मित्राय नमः
622 त्वष्ट्रे नमः
623 ध्रुवाय नमः
624 धराय नमः
625 प्रभावाय नमः
626 सर्वगवायवे नमः
627 अर्यम्णे नमः
628 सवित्रे नमः
629 रवये नमः
630 उषंगवे नमः
631 विधात्रे नमः
632 मांधात्रे नमः
633 भूतभावनाय नमः
634 विभवे नमः
635 वर्णविभाविने नमः
636 सर्वकामगुणावहाय नमः
637 पद्मनाभाय नमः
638 महागर्भाय नमः
639 चंद्रवक्त्राय नमः
640 अनिलाय नमः
641 अनलाय नमः
642 बलवते नमः
643 उपशांताय नमः
644 पुराणाय नमः
645 पुण्यचञ्चवे नमः
646 यै नमः
647 कुरुकर्त्रे नमः
648 कुरुवासिने नमः
649 कुरुभूताय नमः
650 गुणौषधाय नमः
651 सर्वाशयाय नमः
652 दर्भचारिणे नमः
653 सर्वप्राणिपतये नमः
654 देवदेवाय नमः
655 सुखासक्ताय नमः
656 सदसते नमः
657 सर्वरत्नविदे नमः
658 कैलासगिरिवासिने नमः
669 हिमवद्गिरिसंश्रयाय नमः
660 कूलहारिणे नमः
661 कूलकर्त्रे नमः
662 बहुविद्याय नमः
663 बहुप्रदाय नमः
664 वणिजाय नमः
665 वर्धकिने नमः
666 वृक्षाय नमः
667 बकुलाय नमः
668 चंदनाय नमः
669 छदाय नमः
670 सारग्रीवाय नमः
671 महाजत्रवे नमः
672 अलोलाय नमः
673 महौषधाय नमः
674 सिद्धार्थकारिणे नमः
675 सिद्धार्थाय नमः
676 छंदोव्याकरणोत्तराय नमः
677 सिंहनादाय नमः
678 सिंहदंष्ट्राय नमः
679 सिंहगाय नमः
680 सिंहवाहनाय नमः
681 प्रभावात्मने नमः
682 जगत्कालस्थालाय नमः
683 लोकहिताय नमः
684 तरवे नमः
685 सारंगाय नमः
686 नवचक्रांगाय नमः
687 केतुमालिने नमः
688 सभावनाय नमः
689 भूतालयाय नमः
690 भूतपतये नमः
691 अहोरात्राय नमः
692 अनिन्दिताय नमः
693 सर्वभूतवाहित्रे नमः
694 निलयाय नमः
695 विभवे नमः
696 भवाय नमः

697 अमोघाय नमः
698 संयताय नमः
699 अश्वाय नमः
700 भोजनाय नमः
701 प्राणधारणाय नमः
702 धृतिमते नमः
703 मतिमते नमः
704 दक्षाय नमः
705 सत्कृताय नमः
706 युगाधिपाय नमः
707 गोपालये नमः
708 गोपतये नमः
709 ग्रामाय नमः
710 गोचर्मवसनाय नमः
711 हरये नमः
712 हिरण्यबाहवे नमः
713 प्रवेशिनां गुहापालाय नमः
714 प्रकृष्टारये नमः
715 महाहर्षाय नमः
716 जितकामाय नमः
717 जितेन्द्रियाय नमः
718 गांधाराय नमः
719 सुवाससे नमः
720 तपःसक्ताय नमः
721 रतये नमः
722 नराय नमः
723 महागीताय नमः
724 महानृत्याय नमः
725 अप्सरोगणसेविताय नमः
726 महाकेतवे नमः
727 महाधातवे नमः
728 नैकसानुचराय नमः
729 चलाय नमः
730 आवेदनीयाय नमः
731 आदेशाय नमः
732 सर्वगंधसुखावहाय नमः
733 तोरणाय नमः
734 तारणाय नमः
735 वाताय नमः
736 परिधिने नमः
737 पतिखेचराय नमः
738 संयोगवर्धनाय नमः
739 वृद्धाय नमः
740 अतिवृद्धाय नमः
741 गुणाधिकाय नमः
742 नित्यात्मसहाय नमः
743 देवासुरपतये नमः
744 पतये नमः
745 युक्ताय नमः
746 युक्तबाहवे नमः
747 दिविसुपर्वणदेवाय नमः
748 आषाढाय नमः
749 सुषाढाय नमः
750 ध्रुवाय नमः
751 हरिणाय नमः
752 हराय नमः
753 आवर्तमानवपुषे नमः
754 वसुश्रेष्ठाय नमः
755 महापथाय नमः
756 विमर्शशिरोहारिणे नमः
757 सर्वलक्षणलक्षिताय नमः
758 अक्षरथयोगिने नमः
759 सर्वयोगिने नमः
760 महाबलाय नमः
761 समाम्नायाय नमः
762 असमाम्नायाय नमः
763 तीर्थदेवाय नमः
764 महारथाय नमः
765 निर्जीवाय नमः
766 जीवनाय नमः
767 मंत्राय नमः
768 शुभाक्षाय नमः
769 बहुकर्कशाय नमः
770 रत्नप्रभूताय नमः
771 रत्नांगाय नमः
772 महार्णवनिपानविदे नमः
773 मूलाय नमः
774 विशालाय नमः
775 अमृताय नमः
776 व्यक्ताव्यक्ताय नमः
777 तपोनिधये नमः
778 आरोहणाय नमः
779 अधिरोहाय नमः
780 शीलधारिणे नमः
781 महायशसे नमः
782 सेनाकल्पाय नमः
783 महाकल्पाय नमः
784 योगाय नमः
785 युगकराय नमः
786 हरये नमः

787 युगरूपाय नमः
788 महारूपाय नमः
789 महानागहनाय नमः
790 अवधाय नमः
791 न्यायनिर्वपणाय नमः
792 पादाय नमः
793 पण्डिताय नमः
794 अचलोपमाय नमः
795 बहुमालाय नमः
796 महामालाय नमः
797 शशिहरसुलोचनाय नमः
798 विस्तारलवणकूपाय नमः
799 त्रियुगाय नमः
800 सफलोदयाय नमः
801 त्रिलोचनाय नमः
802 विषण्णांगाय नमः
803 मणिविद्धाय नमः
804 जटाधराय नमः
805 विंदवे नमः
806 विसर्गाय नमः
807 सुमुखाय नमः
808 शराय नमः
809 सर्वायुधाय नमः
810 सहाय नमः
811 निवेदनाय नमः
812 सुखाजाताय नमः
813 सुगंधाराय नमः
814 महाधनुषे नमः
815 गंधपालिभगवते नमः
816 सर्वकर्मोत्थानाय नमः
817 मंथानबहुलवायवे नमः
818 सकलाय नमः
819 सर्वलोचनाय नमः
820 तलस्तालाय नमः
821 करस्थालिने नमः
822 ऊर्ध्वसंहननाय नमः
823 महते नमः
824 छत्राय नमः
825 सुच्छत्राय नमः
826 विख्यातलोकाय नमः
827 सर्वाश्रयक्रमाय नमः
828 मुंडाय नमः
829 विरूपाय नमः
830 विकृताय नमः
831 दण्डिने नमः
832 कुण्डिने नमः
833 विकुर्वणाय नमः
834 हर्यक्षाय नमः
835 ककुभाय नमः
836 वज्रिणे नमः
837 शतजिह्वाय नमः
838 सहस्रपादे नमः
839 सहस्रमूर्ध्ने नमः
840 देवेंद्राय नमः
841 सर्वदेवमयाय नमः
842 गुरवे नमः
843 सहस्रबाहवे नमः
844 सर्वांगाय नमः
845 शरण्याय नमः
846 सर्वलोककृते नमः
847 पवित्राय नमः
848 त्रिककुन्मंत्राय नमः
849 कनिष्ठाय नमः
850 कृष्णपिंगलाय नमः
851 ब्रह्मदंडविनिर्मात्रे नमः
852 शतघ्नीपाशशक्तिमते नमः
853 पद्मगर्भाय नमः
854 महागर्भाय नमः
855 ब्रह्मगर्भाय नमः
856 जलोद्भवाय नमः
857 गभस्तये नमः
858 ब्रह्मकृते नमः
859 ब्रह्मिणे नमः
860 ब्रह्मविदे नमः
861 ब्राह्मणाय नमः
862 गतये नमः
863 अनंतरूपाय नमः
864 नैकात्मने नमः
865 स्वयम्भुतिग्मतेजसे नमः
866 ऊर्ध्वगात्मने नमः
867 पशुपतये नमः
868 वातरंहसे नमः
869 मनोजवाय नमः
870 चंदनिने नमः
871 पद्मनालाग्राय नमः
872 सुरभ्युत्तरणाय नमः
873 नराय नमः
874 कर्णिकारमहास्रग्विणे नमः
875 नीलमौलये नमः
876 पिनाकधृशे नमः

877 उमापतये नमः
878 उमाकांताय नमः
879 जाह्नवीधृशे नमः
880 उमाधवाय नमः
881 वरवराहाय नमः
882 वरदाय नमः
883 वरेण्याय नमः
884 सुमहास्वनाय नमः
885 महाप्रसादाय नमः
886 दमनाय नमः
887 शत्रुघ्ने नमः
888 श्वेतपिंगलाय नमः
889 पीतात्मने नमः
890 परमात्मने नमः
891 प्रयतात्मने नमः
892 प्रधानधृते नमः
893 सर्वपार्श्वमुखाय नमः
894 त्र्यक्षाय नमः
895 धर्मसाधारणवराय नमः
896 चराचरात्मने नमः
897 सूक्ष्मात्मने नमः
898 अमृतगोवृषेश्वराय नमः
899 साध्यर्षये नमः
900 आदित्यवसवे नमः
901 विवस्वत्सवित्रमृताय नमः
902 व्यासाय नमः
903 सर्गसुसंक्षेपविस्तराय नमः
904 पर्ययनराय नमः
905 ऋतवे नमः
906 संवत्सराय नमः
907 मासाय नमः
908 पक्षाय नमः
909 संख्यासमापनाय नमः
910 कलायै नमः
911 काष्ठायै नमः
912 लवेभ्यो नमः
913 मात्राभ्यो नमः
914 मुहूर्ताहःक्षपाभ्यो नमः
915 क्षणेभ्यो नमः
916 विश्वक्षेत्राय नमः
917 प्रजाबीजाय नमः
918 लिंगाय नमः
919 आद्यनिर्गमाय नमः
920 सते नमः
921 असते नमः
922 व्यक्ताय नमः
923 अव्यक्ताय नमः
924 पित्रे नमः
925 मात्रे नमः
926 पितामहाय नमः
927 स्वर्गद्वाराय नमः
928 प्रजाद्वाराय नमः
929 मोक्षद्वाराय नमः
930 त्रिविष्टपाय नमः
931 निर्वाणाय नमः
932 ह्लादनाय नमः
933 ब्रह्मलोकाय नमः
934 परागतये नमः
935 देवासुरविनिर्मात्रे नमः
936 देवासुरपरायणाय नमः
937 देवासुरगुरवे नमः
938 देवाय नमः
939 देवासुरनमस्कृताय नमः
940 देवासुरमहामात्राय नमः
941 देवासुरगणाश्रयाय नमः
942 देवासुरगणाध्यक्षाय नमः
943 देवासुरगणाग्रण्यै नमः
944 देवातिदेवाय नमः
945 देवर्षये नमः
946 देवासुरवरप्रदाय नमः
947 देवासुरेश्वराय नमः
948 विश्वाय नमः
949 देवासुरमहेश्वराय नमः
950 सर्वदेवमयाय नमः
951 अचिंत्याय नमः
952 देवतात्मने नमः
953 आत्मसंभवाय नमः
954 उद्भिदे नमः
955 त्रिविक्रमाय नमः
956 वैद्याय नमः
957 विरजाय नमः
958 नीरजाय नमः
959 अमराय नमः
960 ईड्याय नमः
961 हस्तीश्वराय नमः
962 व्याघ्राय नमः
963 देवसिंहाय नमः
964 नरर्षभाय नमः
965 विबुधाय नमः
966 अग्रवराय नमः

967 सूक्ष्माय नमः
968 सर्वदेवाय नमः
969 तपोमयाय नमः
970 सुयुक्ताय नमः
971 शोभनाय नमः
972 वज्रिणे नमः
973 प्रासानां प्रभवाय नमः
974 अव्ययाय नमः
975 गुहाय नमः
976 कांताय नमः
977 निजसर्गाय नमः
978 पवित्राय नमः
979 सर्वपावनाय नमः
980 शृङ्गिणे नमः
981 शृङ्गप्रियाय नमः
982 बभ्रवे नमः
983 राजराजाय नमः
984 निरामयाय नमः
985 अभिरामाय नमः
986 सुरगणाय नमः
987 विरामाय नमः
988 सर्वसाधनाय नमः
989 ललाटाक्षाय नमः
990 विश्वदेवाय नमः
991 हरिणाय नमः
992 ब्रह्मवर्चसे नमः
993 स्थावरपतये नमः
994 नियमेन्द्रियवर्धनाय नमः
995 सिद्धार्थाय नमः
996 सिद्धभूतार्थाय नमः
997 अचिंत्याय नमः
998 सत्यव्रताय नमः
999 शुचये नमः
1000 व्रताधिपाय नमः
1001 पराय नमः
1002 ब्रह्मणे नमः
1003 भक्तानां परमगतये नमः
1004 विमुक्ताय नमः
1005 मुक्ततेजसे नमः
1006 श्रीमते नमः
1007 श्रीवर्धनाय नमः
1008 जगते नमः

इति श्रीमन्महाभारते अनुशासनपर्वणि दानधर्मे शिव-सहस्त्रनामस्तोत्रकथनं नाम सप्तदशोऽध्यायः।। श्रीसांबसदाशिवार्पणमस्तु।। अद्य पूर्वोच्चरित-एवंगुणविशेषणविशिष्टायां पुण्यतिथौ ममआत्मनः पुराणोक्तफलप्राप्त्यर्थं पूजासांगतासिद्ध्यर्थे चार्घ्यप्रदानं करिष्ये।। शिवरात्र्यर्घ्याणि[1]।। नमः शिवाय शर्वाय सर्वपापहराय च।। शिवरात्रौ महापुण्यं गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते।। शिवाय नमः इदमर्घ्यं समर्पयामि।। 1 ।। व्योमकेश नमस्तुभ्यं व्योमात्मन् व्योमरूपिणे।। नक्षत्ररूपिणे तुभ्यं तारकार्घ्य नमोऽस्तु ते।। तारकाय नमः इदमर्घ्यं समर्पयामि ।। 2 ।। आकाशदिक्शरीराय ग्रहनक्षत्रमालिने।। सुरसिद्धनिवासाय दत्तमर्घ्यं सदाशिव।। सदाशिवाय नमः इदमर्घ्यं समर्पयामि ।। 3 ।। अथ सोमवारार्घ्याणि[2]।। सोमवारव्रतं कर्तुः कल्याणं मम सर्वदा।। प्रसीद पार्वतीनाथ सायुज्यं देहि मे प्रभो।। भवानीशंकराय नमः इदमर्घ्यं समर्पयामि ।। 1 ।। नक्तेन सोमवारेण सोमनाथ जगत्पते।। अनेककोटिसौभाग्यमनंतं कुरु शंकर ।। शंकराय नमः इदमर्घ्यं समर्पयामि ।। 2 ।। आकाशदिक्शरीराय ग्रहनक्षत्रमालिने।। सर्वसिद्धिनिवासाय दत्तमर्घ्यं नमोऽस्तु ते।। सदाशिवाय नमः इदमर्घ्यं समर्पयामि ।। 3 ।। अनेन अर्घ्यप्रदानेन भगवान् श्रीभवानीशंकरमहारुद्रः प्रीयताम्[3]।।

इति शिवसहस्त्रनामावलिः समाप्ता ।।

❁❁❁❁❁❁

1. शिवरात्रि व्रत की समाप्ति पर व्रत की सांगतासिद्धि के लिये अर्घ्य देने के लिये उपर्युक्त स्तोत्रपाठ के अनन्तर आगे लिखे मन्त्रों के साथ अर्घ्य निवेदन करें।
2. सोमवारव्रत की पूर्णता के लिये पूजा एवं सहस्त्रनामपाठ के अन्त में आगे के मन्त्रों से अर्घ्य निवेदन करें।
3. यह समर्पण वाक्य है। इसे शिवरात्रि या सोमवारव्रत के अर्घ्योपरान्त बोलना चाहिये।